







## सम्पादकीय...

# धीर-धीर कम हो रही है आधुनिक गुलामी

अमित हैं चनाथ गार्ड वरिष्ठ पत्रकार

# आखिरकार कब होगी हरनंदी (हिंडन) नदी प्रदूषण मुक्ता

नदी की काली नदी व कृष्णा प्रमुख सहायक नदी है, जो स्वयं आज इतने अधिक प्रदूषित है कि बहुत सारे लोगों तो इनको नदी की जगह गंदा नाला ही मानते हैं। हरनंदी (हिंडन) नदी से जुँड़े कुछ आंकड़ों की बात करें तो इस नदी का अनुमानित जलग्रहण क्षेत्र 7,083 वर्ग किलोमीटर (2,735 वर्ग मील) है और यह यमुना नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है, जो कि उत्तर प्रदेश व गौतमबुद्ध नगर जनपद में पहुंचकर यमुना नदी में मिल जाती है। आज गंगा -यमुना के दोआव के बीच बहने वाली हरनंदी (हिंडन) नदी की हालत यह हो गयी है कि उसमें जलीय जीव लगभग खत्म हो चुके हैं, हमारे सिस्टम की जबरदस्त लापरवाही के चलते अब यह नदी शहरों का गंदा पानी बन औद्योगिक कचरों के भार को ढोती हुई एक बड़े गंदे नाले के रूप नजर आर्त है, अब तो प्रदूषण के चलते नदी बंद जल का आलम यह हो गया है कि नदी का जल तेजी से भूजल को भी प्रदूषित करने का कार्य कर रहा है। वैसे देखा जाये तो पिछले कई वर्षों से हरनंदी (हिंडन) नदी देश की मीडिया कई निरंतर सुर्खियों में बनी हुई है, क्योंकि कभी इसको निर्मल बनाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार पहल करती है कभी इसकी स्वच्छता के लिए एनजीटी

पहल करती है, कभी इसकी स्वच्छता के लिए विभिन्न जनपदों का जिल प्रशासन पहल करता है और कभी देश की विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं इसकी स्वच्छता के लिए पहल करती है जिसके चलते हरनंदी (हिंडन) नदी अक्सर मीडिया की चर्चाओं में रहती है लेकिन हरनंदी (हिंडन) नदी के मौजूद पर जाकर हालात देखें तो धरातल पर स्थिति श्डाक के तीन पातश से ज्यादा कुछ नहीं है, नदी के स्वच्छता अभियान के नाम पर श्थोथा चना बाजे घनाश की नीति पर काम चल रहा है, किसी भी स्वच्छता के अभियान को लंबा चलाकर धरातल पर कार्य नहीं किया जा रहा है। नदी की सफाई के लिए सिस्टम वंदे द्वारा चलाए गए अभी तक के अभियान केवल क्षणिक इवेंट बनकर सीमित रह गये हैं। सिस्टम के द्वारा हरनंदी (हिंडन) नदी के लिए चलाए गए स्वच्छता अभियानों की हालात देखकर यह स्पष्ट है कि देश में नदियों का सफाई के नाम होना वाले कार्य मीडिया की सुर्खियों में बनने वाले एक क्षणिक इवेंट से ज्यादा कुछ नहीं है। इन अभियानों में नदी की स्वच्छता के लिए मौजे पर सिस्टम के द्वारा बड़ी-बड़े घोषणाएं की जाती है, लेकिन ना जांच क्यों वह घोषणाएं बीतते हुए समय बंदे बस्ते में चली जाती हैं। यही हाल

हरनंदी (हिंडन) नदी के लिए समय—समय पर चले स्वच्छता अभियानों की है। कभी तो उत्तर प्रदेश सरकार हरनंदी (हिंडन) नदी को स्वच्छ करने की बात करती है, लेकिन वह उसमें डलने वाले गंदे पानी के नालों तक को भी वह बंद नहीं करवा पाती है, कभी वह हम लोगों को सपना दिखाया जाता है कि हरनंदी (हिंडन) नदी को साफ करके उसके दोनों किनारे की तरफ भूमि को कब्जा मुक्त करवाकर उस पर वृक्षारोपण करके भविष्य में भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त रखने व जल प्रवाह को गति प्रदान करने का कार्य किया जायेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने सपना दिखाया था कि हरनंदी (हिंडन) नदी के दोनों किनारों पर सौंदर्यीकरण करके लभभग 37 किलोमीटर लंबा एक बहुत ही शानदार रिवर फ्रंट बनाया जायेगा। लेकिन अफसोस की बात यह है कि धरातल इनमें से कोई भी कार्य होता दिखता नजर नहीं आता है। उसके उल्ट उत्तर प्रदेश सरकार का तंत्र तो हरनंदी (हिंडन) नदी के संदर्भ में एनजीटी के द्वारा दिये गये आदेशों तक का सही ढंग से पालन ना होने के चलते आयेदिन एनजीटी से फटकार तक खाता रहता है। लेकिन आज हम लोगों के सामने विचारणीय तथ्य यह है कि जिस तरह से देश दुनिया में आबादी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है, वहीं जीवन के लिए बेहद जरुरी स्वच्छ जल के स्रोत बहुत तेजी के साथ दिन प्रतिदिन घटते जा रहे हैं, आखिर हम समय रहते इस हालात पर नियंत्रण करने के लिए कार्य क्यों नहीं कर रहे हैं। जबकि देश व दुनिया का एक छोटा सा समझदार बच्चा भी यह अच्छी तरह से जानता है कि शजल ही जीवन हैश फिर भी हमारे देश का सिस्टम धरातल पर नदियों को स्वच्छ बनाने के कार्य की गति को ना जाने क्यों गति नहीं देपा रहा है, देश में नदी स्वच्छता अभियान की गति ना जाने क्यों बेहद धीमी है। सरकार, सिस्टम व हम लोगों को समय रहते यह समझना होगा कि जिस तेजी के साथ देश में भूजल का स्तर गिर रहा है और इस्तेमाल योग्य स्वच्छ जल के स्रोत घट रहे हैं, भविष्य में हम लोगों को स्वच्छ पेय जल उपलब्ध करवाना किसी भी सरकार के सामने एक बहुत बड़ा चुनौती पूर्ण कार्य होगा, इसलिए समय से समझ जाये कि शजल है तो ही कल हैश भविष्य के लिए जल को स्वच्छ रखें और एक-एक बूंद बचाएं यह सरकार सिस्टम व हम सभी लोगों का दायित्व है।।

# मुख्य कानून का व्यापार (लघुकथा)

रामनिवास और रामजानकी ने पता  
नहीं राधव को क्या शिक्षा दी थी विह  
वह जीवन का असली अर्थ समझता है  
या नहीं पर उसके जीवन की परिभाषा  
मुस्कान का व्यापार थी। वह लोगों द्वा  
दुरुख उकेरने और उनके मन का  
आहत करने का कार्य कभी नहीं करता  
था। वह सदैव प्रयासरत रहता था विह  
वह चेहरे पर मुस्कान खिखेरे। आज जहां  
हर कोई दूसरे की कमजोरी औंगा  
दुरुख जानकार उन पर चोट करने का  
प्रयासरत रहता है वहीं राधव मुस्कान  
वाले व्यापार की ओर कदम बढ़ाता जा  
रहा था। एक दिन अचानक राधव का  
स्टेशन के पास उनके पुराने परिविह

मिले। राघव यह बात जानता था कि कुछ समय पूर्व ही उनके जवान बेटे का देहांत हुआ था। राघव का उदार व्यवहार हर किसी को उसके सामने अपने दिल खोलकर रखने को विवश कर देता था। वह जानता था कि उनके परिचित मिलते से ही उन्हें अपने दुरुख के बारे में बताएँगे और व्यर्थ ही दुरुखी होंगे। उनके मन की व्यथा को जानकर राघव ने बातों का ऐसा जाल बुना जिसमें वह दुरुख की पटरी पर जाने की बजाए सुख के कुछ क्षण अनुभव करने लगे। कुछ क्षण ही सही पर उनके चेहरे पर मुस्कराहट दिखाई दी। राघव अपने मन में प्रसन्न था कुछ समय पश्चात राघव अपने एक मित्र से मिला जो काफी अमीर था, पर वह सदैव दुरुखी रहता था और जीवन की कमियों पर ध्यान केन्द्रित करता रहता था। राघव ने उसे एक ऐसे अमीर से मिलाया जिसके लिए भरपेट खाना ही भगवान और खुशियों का रूप था। जब उस अमीर व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति की भोजन के लिए मदद की और अतिरिक्त धनराशि लेने पर बल दिया तो उसने प्रसन्न मन से कहा कि आप मेरे लिए परेशान न हो ईश्वर मेरे हाथों दिन की व्यवस्था करता है। निर्धनता के बीच भी उसके चेहरे की मुस्कान

देखते ही बनती थी। जीवन को लेकर इतनी सकारात्मकता रखी जा सकती है यह उस व्यक्ति ने सिखाया। बस यही से उससे शिक्षा लेकर उसके मित्र ने मुस्कान को अपने चेहरे का आभूषण बना लिया। दुनिया के व्यापार से अलग राधव का व्यापार था। उसके व्यापार की अर्निंग तो मीठी मुस्कान थी जिसमे कोई अंधी दौड़ नहीं है और न ही कोई प्रतियोगिता।

इस लघुकथा से यह शिक्षा मिलती है कि जीवन की सार्थकता तो दूसरों के दुरुख को न्यून करके मुस्कान बिखरने में निहित है, पर आज हर व्यक्ति दुरुख पर आघात करने की कोशिश करता है। चेहरे की उदासी को बढ़ाता है। शब्दों का ऐसा जाल बुनता है जो दूसरों के मन को आहत करता है। इश्वर की बनाई सृष्टि में बहुत सारी विषमता है, पर हम अपने प्रयासों से सकारात्मकता को महत्वपूर्ण बना सकते हैं और कुछ क्षण के लिए ही खुशहाल जीवन की नींव रख सकते हैं तो क्यों न राधव की तरह छोटे-छोटे प्रयासों से हम जीवन को खुशहाल बनाने का प्रयास करें। एक बार मुस्कान वाला व्यापार करके देखिये, शायद आपकी जिंदगी बदल जाए।

# गांधी परिवार पर कानून का शिकंजा, क्या इडी के सवालों से बच गयीं सोनिया गांधी?



कानून सबके लिए बराबर है यह महज एक कहावत ही नहीं है बल्कि सच्चाई है। यह बात साधित हो गई जब पूर्व प्रधानमंत्री के पाते, पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को इंडी ने समन जारी किया और पूछताछ के लिए घंटों तक दफ्तर में बिठाए रखा। नेशनल हेराल्ड केस में जो आरोप राहुल गांधी पर लगाए गए हैं वह सिद्ध होते हैं या नहीं यह अलग बात है लेकिन देश की आम जनता में कानून का सम्मान जरूर बढ़ा है। आज गली के नुक़द से लेकर शहर के चौराहों तक इस बात की चर्चा जरूर होने लगी है कि इस देश में घोटाला करने वाला कोई आम इंसान हो या प्रधानमंत्री का बेटा, कानून की नजर में सब बराबर है कांग्रेस का सुर्खियों में बने रहना आम बात है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी आये दिन अपने किसी न किसी बयान की वजह से जनता के बीच चर्चा में बने रहते हैं। बीजेपी को भ्रष्ट कहने वाली पार्टी कांग्रेस, इस बार खुद भ्रष्टाचार के आरोप से धिरते हुए नजर आ रही है। क्योंकि इस बार कांग्रेस पर ही करोड़ों रुपए का घोटाला करने का आरोप लगा है। जिसकी वजह से गांधी परिवार को प्रवर्तन निदेशालय ने समन जारी कर दिया है। आगे चलने से पहले जानिए क्यों कानून ने कस दिया गांधी परिवार पर अपना शिकंजा।

यह मामला शुरू होता है आज से 84 साल पहले, साल 1938 से, जब देश आजाद भी नहीं हुआ था। साल 1938 में भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने एक अखबार शुरू किया जिसका नाम है द नेशनल हेराल्ड यह न्यूजपेर एजल (एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड) नाम की कंपनी चलाती थी, जिसको फण्ड कांग्रेस करती थी। लेकिन अचानक साल 2008 में यह न्यूजपेर बंद हो गया। वजह था, AJL का कर्ज में ढूँबना। AJL को बचाने के लिए कांग्रेस ने पार्टी फण्ड से कंपनी को बिना व्याज के 90 करोड़ रुपए का फण्ड दिया। जिसके बदले में साल 2011 में कांग्रेस ने घ्यंग इंडियाई नाम की एक कंपनी बनाई। और AJL की आधिक मंदी के कारण उसको दिए लोन के बदले में 99 प्रतिशत की हिस्सेदारी अपने नाम कर ली। उस वक्त कांग्रेस का बोलबाला होने की वजह से कंपनी के 38-38 प्रतिशत की हिस्सेदारी राहुल और सोनिया गांधी ने अपने नाम कर ली और बाकी का शेयर मोतीलाल बोरा और आस्कर फर्नांडिस के पास था। इसके बाद आज से ठीक 10 साल पहले साल 2012 में सुब्रमण्यम स्वामी ने कोर्ट में एक अर्जी दाखिल की। जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर न्यूजपेर द नेशनल हेराल्ड को यंग इंडिया के जरिए गलत तरीके से अधिग्रहण करने का आरोप लगाया। साल 2014 में प्रवर्तन निदेशालय ने गांधी परिवार पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज करते हुए समन जारी किया था। मगर साल 2015 में राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने कोर्ट में 50-50 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत अपने नाम की थी। यहीं नहीं आजादी के बाद साल 1971 में देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर भी धांघली करने का आरोप लग था। यह सिलसिला शुरू होता है 1971 के चुनाव से, जब इंदिरा गांधी और उनकी पार्टी को जनता का बेशुमार प्यार मिला था और चुनाव में उन्होंने ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। यह चुनाव रायबरेली लोकसभा सीट पर हुआ था जिसमें संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी की नेता इंदिरा गांधी ने विपक्षी तेजतरार नेता राजनारायण के पराजित किया था। मगर इस जीत से नाखुश प्रतिद्वंदी नेता राजनारायण ने इंदिरा गांधी पर चुनाव में हेरा-फेर करने का आरोप लगाया और हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले पर सुनवाई होने के बाद हाइकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए इंदिरा गांधी का चुनाव निरस्त कर छह साल तक चुनाव लड़ने पर बैन लगा दिया था। इस फैसले से आक्रोशित होकर इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 में रेडियो के माध्यम से देशभर में 21 महीने के इमरजेंसी का लालन कर दिया था। इस दिन को आज 46 साल बाद भी सबसे काला दिन माना जाता है। हालांकि अब एक बार फिर साल 2022 में 70 साल पुराने हुए घोटाले के फाइल खुल गई हैं। और प्रवर्तन निदेशालय ने भी एक बार फिर गांधी परिवार को कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया है। इंडी के समन जारी करने पर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रियंका

गांधी वाड़ा को जहा इडो के चक्कर लगाने पड़े, वहीं दूसरी तरफ गांधी परिवार के ढूबते भविष्य को बचाने के लिए कांग्रेस समर्थक सङ्क पर उत्तर आये। बावजूद इसके, कानून के सवाल से न राहुल बच पाए ना ही बहन प्रियंका और ना ही सोनिया गांधी, क्योंकि आज प्रवर्तन निदेशालय के सवालों का सामना उन्हें भी करना होगा। देश का संविधान और कानून जो एक आम आदमी के लिए है, वही

कानून सबके लिए है फिर चाहे वो काइ राजनितिक दल हो, नेता हो, पूँजीपति हो, या पूर्व प्रधानमंत्री का परिवार ही क्यों न हो। इस मामले पर आगे क्या सुनवाई होगी ये तो बताएगा। लेकिन एक कहावत तो आपने सुनी होगी की— कानून के हाथ लंबे होते हैं। और उससे बचना जितना नामुकिन एक आम आदमी के लिए है उतना ही मुश्किल एक प्रधानमंत्री के बेटे के लिए भी है। निकिता शुक्ला, नई दिल्ली

अयोध्या टाइम्स के लिए **मुद्रक, प्रकाशक एवं स्वामी वृजेश कुमार मोर्य**  
द्वारा किशोर प्रिन्ट्स 124 / 659 बी ब्लाक गोविन्द नगर, कानपुर  
नगर से मुद्रित व संजय नगर, गोविन्द नगर, कानपुर उत्तर प्रदेश से  
प्रकाशित

**राम कृपाल सिंह**

मुख्य संपादक / नेशनल व्यूरोचीफ

**मो. : 9956096265**

सम्पादक : डॉ अनवेश सिंह

मो. : 9918523251

आर.एन.आई. नं. : यूपीएचआईएन 2015 / 67284

**DAVP CODE 133691**

डाक पंजीयन सं.: 272 / 2021-23

E-mail : [dainikayodhyatimes@gmail.com](mailto:dainikayodhyatimes@gmail.com)

Website: [dainikayodhyatimes.page](http://dainikayodhyatimes.page)

## आवश्यक सूचना

सनावार पत्र संस्थान द्वारा प्रकार का विवाद का व्यायदात्र कानपुर  
न्यायालय ही होगा।

— संपादक

# : प्रसारित :





## कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, नदीगांव(जालौन)

पत्रांक /निविदा/राज्यवित्त/ 2022-23

अल्पकालीन निविदा सूचना

दिनांक 21.07.2022

राज्यपाल महोदय की ओर से ग्राम निधि योजना के अन्तर्गत वर्ष 2022-23 के लिये निम्नलिखित निर्माण कार्य की समझी आपूर्ति हेतु मुहरबन्द निविदाये पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 01.08.2022 को 3.00 बजे अपराह्न तक आंगत्री की जाती है। जो दिनांक 01.08.2022 को ही 3.30 बजे अपराह्न खण्ड विकास अधिकारी, नदीगांव के कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं के सम्बन्ध निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी।

निविदा प्रपत्र के साथ ठेकेदार को धोरहर धनराशि के रूप में राष्ट्रीय बचतपत्र/डाकघर पासबुक/एफ०१०आर० जो खण्ड विकास अधिकारी, नदीगांव(जालौन) के पद नाम बन्धक हो जाम करनी होगी। विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से कार्यदिवस में प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 22.07.2022 से दिनांक 01.08.2022 तक किसी भी कार्यदिवस में खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय, नदीगांव(जालौन) से क्रय किये जा सकते हैं।

क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. में)	धरोहर धनराशि	निविदा का मूल्य का समय	कार्य पूर्ण का समय
1	2	3	4	5	6
1	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम सलैया बुजुर्ग में कारस देव खान से मुकिताम तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य।	999892.00	19998.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
2	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम सलैया बुजुर्ग में धोकल बालीकि के मकान से छोटी भाटा तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य।	995728.00	19915.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
3	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम रेहर में रामगोपाल जाटव के मकान से बलू पंडित के घर तक जल निकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	995405.00	19908.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
4	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम गिदवासा में मैन रोड से पृष्ठ के मकान तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य।	928438.00	18569.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
5	ग्राम पंजौनिया में सीढ़ी घाट, तालाब खुदाई एंव बैंच का कार्य।	887908.00	17758.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
6	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम गिदवासा में ललू कोरी के मकान से सुनील कुशवाहा के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	764407.00	15288.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
7	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम लोहई में लालाता के मकान से गोपी के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	438396.00	8768.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
8	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम लोहई में राजू के मकान से बृजविहारी के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	393126.00	7863.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
9	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम लोहई में अनिल शर्मा के मकान से सुकरे के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	435846.00	8717.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
10	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम अकरीवा में खिलौने प्रजापति के मकान से बालीकि की पुलिया से होते हुए महान्त उपाधाय के मकान तक सी०सी० रोड का निर्माण कार्य।	780966.00	15619.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
11	प्राथमिक विद्यालय सलैया खुदर्द की बाउन्ड्रीवॉल निर्माण कार्य।	696668.00	13933.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
12	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम कुदारी माधौगढ़ में मैन रोड से महादेव तिवारी के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	752822.00	15056.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
13	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम लोहई में कृष्ण के मकान से रामवरन के मकान तक जलनिकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	133982.00	2680.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
14	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम गथरा के मजरा राजीपुरा में रहीस के मकान से तालाब तक जलनिकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	554959.00	11099.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
15	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम सदूरपुरा में मैन रोड से प्राइमरी स्कूल तक सी०सी० रोड का निर्माण कार्य।	717764.00	14355.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
16	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम लोहई में राजेश के मकान से रिंकू के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	484838.00	9697.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
17	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम लोहई में राजेश के मकान से रिंकू के मकान तक जल निकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	163272.00	3265.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
18	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम लोहई में राजू के मकान से बृज बिहारी के मकान तक जल निकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	133469.00	2669.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
19	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम कुठीन्दा में परशुराम के घर से विनोद कुमार के घर तक जल निकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	366886.00	7338.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
20	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम कुदारी माधौगढ़ में मैन रोड से महादेव तिवारी के घर तक जल निकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	263676.00	5274.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
21	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम गिदवासा के मजरा डांग खेराई में मैन रोड से प्रतीम गुराई के मान्दिर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	654541.00	13091.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
22	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम रीरा के मजरा छोटी खोड़ में शिवनारायण के मकान से फूल सिंह के दरवाजे तक सी०सी० रोड का निर्माण कार्य।	763929.00	15279.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
23	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम सलैया खुदर्द में अरुण के मकान से प्रेम सिंह के मकान तक इंटरलॉकिंग एंव साइडवॉल निर्माण कार्य।	467733.00	9355.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
24	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम लोहई में कृष्ण के मकान से रामवरन के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	395421.00	7908.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
25	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम सलैया खुदर्द में मूरे के मकान से दातार सिंह के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	568562.00	11371.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
26	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम लोहई में लालाता के मकान से गोपी के मकान तक जलनिकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	148884.00	2978.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
27	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम सलैया खुदर्द में अनर सिंह के मकान से गोपी के मकान तक गाकुर के मकान तक इंटरलॉकिंग एंव साइडवॉल निर्माण कार्य।	467733.00	9355.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
28	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम सलैया खुदर्द में मैन रोड से ललू पहलवान के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	571579.00	11432.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
29	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम रेहर में सुरेन्द्र रजक के दरवाजे से बालीकि की पुलिया तक जलनिकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	999427.00	19989.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
30	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम लोहई में अनिल शर्मा के मकान से सुकरे के मकान तक जलनिकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	148314.00	2966.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
31	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम गिदवासा में परगवान सिंह के मकान से जसकरन की पुलिया तक जलनिकासी हेतु नाला निर्माण कार्य।	671974.00	13439.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह
32	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम गिदवासा में भगवान सिंह के मकान से जसकरन के मकान तक सी०सी० रोड का निर्माण कार्य।	737777.00	14756.00	500.00+300.00 +18% GST (Rs.944.00)	3 माह

33	विकासखण्ड नदीगांव के ग्राम कुदारी माधौगढ़ में मैन रोड से प्रताप कुशवाह









## अलाउद्दीन खां की पुण्यतिथि मनाई गयी

दैनिक अयोध्या टाइम्स मनोज कुमार यादव संसददाता

देवरिया, भट्टनी। विकास खण्ड के देवरिया, मौला, अली बद्रीनी शरीरी के अलाउद्दीन खां की 14 वी पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गयी।

इस अवसर पर कुमार खानी ने लिया गया। किसान नेता वरपी पर मुलायांवा बारिश से खुशी जाहिर करते हुए वकारों ने कहा कि यह अलाउद्दीन खां नारीबां मन्दुरों के बाहर बढ़ती है। उद्धर मुलायांवा बारिश कुमार आकाश में सर्व नारायण खां की पुण्यतिथि मनाई गई। सबसे पहले उनके चित्र पर माल्पाणि कर उन्हें भावीनी प्रदानजिली अर्पित की गई।

**प्रतिदिन स्कूल आने वाले बच्चों को देशनरी दिया गया**

दैनिक अयोध्या टाइम्स मनोज कुमार यादव संसददाता

देवरिया, भट्टनी। जा.

विकास खानी के अलाउद्दीन खां की प्रतिदिन स्कूल आने वाले बच्चों को देशनरी दिया गया।

इस अवसर पर प्रभारी, विद्युत, संघर्ष और प्रकाश शुक्र ने कहा कि इस स्कूल में नियमित रखूँ आने व पठन पाठन में शनिवारी पाकर बच्चे प्रमुखित थे। इस अवसर पर प्रा.वि

सीडीओ ने की सोशल आइट कार्यक्रम की समीक्षा

दैनिक अयोध्या टाइम्स देवरिया

देवरिया, भट्टनी की अस्थान में आज पूर्ण निर्वाचित कार्यक्रम के अनुसार

सोशल आइट कार्यक्रम/वासाओआरो प्रोजेक्टों की समीक्षा गूला भीट के मायम से की गई।

इस दोरान वर्ष 2021-20 वर्ष 2021-22 में किये गये सोशल आइट के दोरान पाया गये प्रकरणों की समीक्षा विकास खुड़बाज़ किया गया।

समीक्षा के दोरान 2019-20 में प्राप्त कुल प्रकरणों की संख्या 2594, विर्तीय अनियमिततावित्तीय विवरण की घनराशि 3243 लाख, वसूली की गयी घनराशि 5.28 लाख, नियरित प्रकरणों की संख्या 248 एवं अवशोष प्रकरणों की संख्या 2306 तथा वर्ष 2021-22 में प्राप्त कुल प्रकरणों की संख्या 2994, विर्तीय अनियमिततावित्तीय विवरण की घनराशि 13.17 लाख, वसूल की गयी घनराशि रिक. नियरित प्रकरणों की संख्या 36 एवं अवशोष

सङ्केतों के निर्माण कार्य अपूर्ण पाण जाने पर अवशोष

• सीडीओ ने की विकास कार्यक्रमों की समीक्षा

दैनिक अयोध्या टाइम्स देवरिया

देवरिया मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार द्वारा विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी।

इस दोरान पाया गया कि 20 नई

सङ्केतों के साथगत 9 तथा 8 विकास कार्यक्रमों की समीक्षा

देवरिया, भट्टनी की अस्थान

देवरिया देवरिया, भट्टनी की अस्थान

















# सौक्रियिक समाचार

ईडी ने सोनिया गांधी को फिर जारी किया समन, दूसरे दौर की पूछताछ के लिए 25 जुलाई को बुलाया। नेशनल हेराल्ड से जुड़े एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक बार फिर से समन जारी किया है। आज इसी मामले में पूछताछ के लिए सोनिया गांधी प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय पहुंची थी। लगभग 2 घंटे तक उनसे पूछताछ हुई है। 2 घंटे की पूछताछ के बाद सोनिया गांधी बाहर लौट आई थी। अब एक बार फिर से दूसरे दौर की पूछताछ के लिए सोनिया गांधी को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से नया समन जारी किया गया है। इस समन के मुताबिक 25 जुलाई को उन्हें एक बार फिर से पूछताछ के लिए बुलाया गया है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों की ओर से दावा किया गया था कि सोनिया गांधी की तबीयत खराब नहीं होने की वजह से आज पूछताछ पूरी नहीं हो पाई। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया था कि प्रवर्तन निदेशालय के पास पूछताछ के लिए प्रश्न नहीं थे। इसलिए उसने सोनिया गांधी को जाने की अनुमति दी। कुल मिलाकर देखें तो सोनिया गांधी से पूछताछ को लेकर कांग्रेस का सरकार के खिलाफ हल्ला बोल जारी रहा। आज कांग्रेस ने सोनिया गांधी से पूछताछ के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन किया। इस मुद्दे को कांग्रेस की ओर से संसद में भी उठाया गया जिस पर खूब हो हल्ला हुआ। अधिकारियों ने बताया कि कोविड से उबर रहीं सोनिया गांधी (75) से पूछताछ करीब दो घंटे चली और उनके अनुरोध पर पूछताछ सत्र समाप्त कर दिया गया। कोविड-19 नियमों को ध्यान में रखते हुए पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान मौजूद सभी के पास कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं होने का प्रमाण पत्र था। सोनिया गांधी से भी उसी सहायक निदेशक-स्तर के जांच अधिकारी ने पूछताछ की, जिसने इस मामले में राहुल गांधी से पूछताछ की थी। यह जांच कांग्रेस से जुड़ी यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कथित वित्तीय अनियमिताओं से संबंधित है। यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के पास नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र का मालिकाना हक है। पूछताछ टीम में महिला अधिकारी भी शामिल थी। जयराम रमेश ने कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय के पास पूछने के लिए सवाल नहीं थे इसलिए उसने सोनिया गांधी को जाने की अनुमति दे दी। जयराम रमेश ने कहा कि आज सोनिया गांधी प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय गई थीं और उनसे 2 से 3 घंटे तक पूछताछ की गई है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि ईडी के अधिकारियों ने सोनिया गांधी को जाने की अनुमति दी क्योंकि उनके पास पूछने के लिए और कुछ नहीं था। इसके साथ ही कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने कहा कि सोनिया गांधी ने से कहा है कि ईडी के अधिकारी उनसे जितने चाहे उतने सवाल पूछ सकते हैं। हालांकि, खबर यहां आई थी कि सोनिया गांधी के अनुरोध पर आज की पूछताछ को ईडी के अधिकारियों के द्वारा रोक दिया गया था। इसको जयराम रमेश ने पूरी तरीके से निराधार बताया है।



**डीएम ने महाविद्यालय के प्राचार्यों व प्रबंधकों के साथ की बैठक**



A photograph of a public hearing or meeting. A man in an orange shirt is speaking into a microphone, while a woman in a yellow top and another in a green top listen. In the foreground, two men are seated, facing the speaker. The background shows a banner with text in Hindi.

गाना है। उन्होंने कहा कि इसके छात्रछात्राओं के माध्यम से घर तक इसके महत्व को बताया जा सके। उन्होंने कहा कि दीरी कैसे प्राप्त हुई और इसका महत्व है, इस संबंध में विद्यालयों में कार्य योजना एवं विभिन्न प्रतियोगिता यथा विवाद, निबंध, रंगोली, कविता लगानी, मैराथन दौड़ जैसी योगिताएं करके लोगों को लुक किया जा सके। इस अवसर सभी महाविद्यालय अपनी कार्य ना बनाकर 11 अगस्त से 17 तक तक प्रत्येक दिन एक कार्यक्रम जित कराएं तथा इस अवसर पर –सफाई तथा राष्ट्रध्वज तिरंगे महत्व को भी बताएं। जिससे छात्राओं द्वारा यह भी संदेश कर से अधिक लोगों के मध्य पहुंचे कार्यक्रम एक महोस्तव के रूप में हो। जिलाधिकारी ने कहा कि 11 से 17 अगस्त के मध्य सभी महाविद्यालय संस्थाओं पर तिरंगे को सम्मान फहराया जाए। सभी संस्थानों को झंडा और लाइटों से सजाया जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी से कहा विकारोना अभी पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुआ। इसके लिए हम सभी का दायित्व बनता है कि विद्यालय में आवाले सभी छात्र छात्राओं को जागरूक कर टीकाकरण कराया जाए। उन्होंने कहा कि जिन छात्रछात्राओं ने पहली डोज एवं दूसरी डोज लगवा ली हैं वह छात्रछात्राएं बूस्टर डोज लगाना समझ यह विशेष ध्यान रखें कि जो वैक्सीन पूर्व में लगी है उसी की बूस्टर डोज लगवाएं और सभी को टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित रहें। बैठक में अपर जिलाधिकारी रखा एस चौहान सहित प्राचार्य एवं प्रबन्धक मौजूद रहे।

## मुक्तिधाम रथ सेवा का हुआ लोकार्पण, जल्द दो डीप फ्रीजर भी

संवाददाता विमल पाण्डेय दैनिक अयोध्या टाइम्स

- व्यवसायी धीरज शुक्ला ने पिता पंडित भानू प्रकाश शुक्ला की पुण्य स्मृति में जनता को किया समर्पित दिवियापुर, औरैया। जनपद के जिलाधिकारी पीसी श्रीवास्तव ने पूर्व कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत व सेहुद मंदिर के महंत बालयोगी बाबा रामप्रिय दास की उपस्थिति में बुधवार देर शाम दिवियापुर में मुक्तिधाम रथ सेवा का लोकार्पण किया। नगर के प्रमुख व्यवसायी धीरज शुक्ला ने पिता पंडित भानू प्रकाश शुक्ला की पुण्य स्मृति में संवेदना ग्रुप सेवा न्यास के माध्यम से इस सेवा को दिवियापुर के लोगों को समर्पित किया है। जिलाधिकारी पीसी श्रीवास्तव व पूर्व कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत ने नर सेवा को ही नारायण सेवा बताया, और से समाजसेवा के क्षेत्र में बढ़ चढ़कर काम करने के लिए कहा।

धीरज शुक्ला ने बताया कि मोबाइल नंबर 7055362222 पर फोन कर इसकी सुविधा ली जा सकती है। दिवंगतजनों की सम्मानजनक अंतिम यात्रा के लिए फोन कर यह सुविधा ले सकते हैं। बताया कि प्रेरणा व परिजनों के सहयोग से यह सुविधा शुरू किया है। वहीं उन्होंने जल्द ही नगर में दो डीप फ्रीजर की भी व्यवस्था करने की बात कही है। जल्द ही यह उपलब्ध होगा। इससे पूर्व मुक्तिधाम रथ सेवा की प्रेरणाओंत शांति देवी शुक्ला, धीरज शुक्ला व उनके परिवार को संवेदना ग्रुप के पदाधिकारियों ने शाल, सूति चिह्न, प्रमाण पत्र, कलेंडर देकर सम्मानित किया। उधर कार्यक्रम संयोजक धीरज शुक्ला ने मुख्य अतिथि के द्वारा उत्कृष्ट कार्यों के लिए कहने-याए लाल गुत्ता, मनीष यादव, पंकज तिवारी, गुरु भद्रौरिया, आशीष मिश्रा, योगाचार्य कृष्ण कुमार उर्फ सौनू को स्मृतिचिह्न व शाल ओढ़कर सम्मानित कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप

## दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों को कृतिम अंग किये वितरण

संवाददाता विमल पाण्डेय दैनिक अयोध्या टाइम्स औरैया। चौधरी विशंभर सिंह भारतीय विद्यालय इंटर कॉलेज में भारतीय कुत्रिम अंग निर्माण निगम (एल्मिका), कानपुर द्वारा सामाजिक अधिकारिता शिविर के अंतर्गत एपिड एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजनान्तर्गत दिव्यांग जन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो (डॉ) रामशंकर कठेरिया, मा० सांसद, लोकसभा द्वारा दीप प्रज्ञलन कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में माननीय सांसद लोकसभा प्रो (डॉ) रामशंकर कठेरिया जी ने अपने संबोधन में एल्मीको संस्था के कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि भगवान किसी को कहीं शारीरिक रूप से कमज़ोर करते हैं, तो उसे मानसिक रूप से कोई ना कोई शक्ति भी प्रदान करते हैं। भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांग पेंशन योजना दिव्यांग उपकरण के वितरण लिए जनपद में 22 व 23 जुलाई द

**आगरा महानगर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के छठवां वार्षिक उत्सव धूमधाम से हुआ संपन्न**

द, अयाध्या टाइम्स ब्यूरो  
आगरा। अतिथि वन वाटर बॉक्स  
आगरा में ऑल इंडिया मोटर  
ट्रांसपोर्ट कंग्रेस न्यू दिल्ली के  
अध्यक्ष कुलतरण सिंह अटवाल मुख्य  
अतिथि ने ट्रांसपोर्ट रेट की स्थिति  
को बहुत दयनीय स्थिति के लिए  
सरकार को कोसते हुए कहा कि करो  
ना काल से अब तक लगभग 28 माह  
में डीजल के महंगा होने और टायर  
की कीमतों में भारी मूल्य वृद्धि टोल  
की दरों में हुए इजाफे से देश का  
ट्रांसपोर्ट बहुत घाटे में अपने व्यापार  
को करने के लिए विवश है। उन्होंने  
कहा कि कारों का ट्रांसपोर्ट ट्रेड  
की महत्ता को समझना होगा और  
इस के लिए हमारे दिए गए सुझावों  
पर विचार कर आगरा महानगर  
ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन अध्यक्ष विवेक  
अग्रवाल ने सभी उपरिथित अधियों  
का स्वागत करते हुए कहा कि हमारा  
संगठन विगत 6 वर्षों से ट्रेड के  
ट्रांसफर हित में कार्रवाई कर रहा है और  
आगे भी करता रहेगा। सह प्रवक्ता,  
मीडिया पार्ट ने कहा कि वाहने देने को



## **मुत्तियाम रथ सेवा का हुआ लोकार्पण, जल्द दो डीप फ्रीजर भी**

# रामकृष्ण नगर में खुला मैनहोल बढ़ा रहा परेशानी, आए दिन हो रही घटनाएं

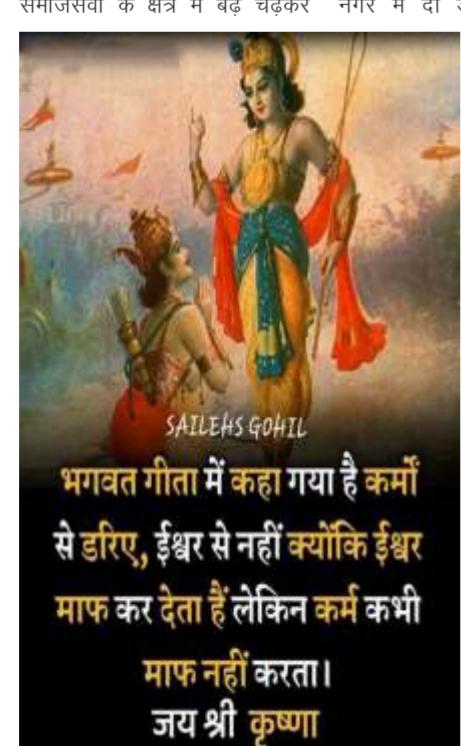
संवाददाता विमल पाण्डेय  
दैनिक अयोध्या टाइम्स

- मोहालवासियों ने की जिला व नगर प्रशाशन से मैनहोल को बन्द करने की मांग

दिवियापुर, औरैया। नगर के मुहाल रामकृष्ण नगर स्थित राम स्वीट हाउस वाली गली में स्वीट हाउस के सामने की सड़क पर खुला मैनहोल खतरनाक सवित हो रहा है। मैनहोल सड़क की सूरत बिगाड़ रहे हैं।

इनसे दिन के उजाले व रात में सड़क पर बाइक से या पैदल चलना खतरनाक हो गया है। आए दिन उसमें गिरने की घटनाएं होती रहती हैं। मुहल्ले में स्थित स्कूल, कोविंग सेंटर में स्टार्ट की व भवन लोपणों को

बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह मैनहोल कई दिनों से खुला है इस पर अभी तक नगर पंचायत के अधिकारियों का कोई ध्यान नहीं गया है। नगर पंचायत प्रशासन नींद से जाग नहीं सका है। सड़क के किनारे अंडरग्राउंड नालियों के खुले मैनहोल दर्पणनार्थी का सबूत बन रहे हैं। ऐसी दशा में सड़क समय पूर्व ही खराब हो जा रही हैं। इस वार्ड में रात के अंधेरे में जाते लोग अक्सर हादसे का शिकार हो जाते हैं। विशेष रूप से रात के समय। मुहल्ले वालों ने जिला प्रशासन व नगर पंचायत प्रशाशन से मैन होल जल्द बन्द कराने की मांग की है।



कार्यक्रम में धानगर पर ग्राम के दिनेश, संजय उपाध्याय, राकेश, राजेंद्र के साथ साथ

एवम वरिष्ठ वैदेश  
अनंत कुमार, प्रद  
**21वीं सदी के श्रवण कुमार से, माता-पिता का**  
माता-पिता का होना एक बच्चे के  
लिए दुनिया का सबसे बड़ा तोहफा  
होता है। माना जाता है कि अगर  
धर्मी पर ईश्वर का दूसरा रूप कोई  
है तो वह खुद माता-पिता है। अगर  
आप अपने माता-पिता के साथ रहते  
हैं तो खुद को सबसे धर्यशाली  
लोगों में से एक समझिए। खैर, आप  
सोच रहे होंगे कि हम अचानक इस  
बारे में क्यों बात कर रहे हैं?  
दरअसल, सोशल मीडिया पर एक  
वीडियो वायरल हो रहा है जिसे  
देखकर आप भी दिल से खुश हो  
जाएंगे। 21वीं सदी के श्रवण कुमार  
वायरल वीडियो में एक शख्स को  
कांवड़ यात्रा के दौरान अपने बुर्जुर्ग  
माता-पिता को कंधों पर उठाकर ले  
जाते देखा जा रहा है। इस किलप को  
आईपीएस अधिकारी अशोक कुमार  
ने शेयर किया है और अब इसे 10  
हजार से अधिक बार देखा जा चुका  
है। इस वायरल वीडियो में शख्स ने  
तराजू के कठेनरों को छोटी कुर्सियों  
में बदल दिया है और अपने  
माता-पिता को अपने कंधों पर ले  
लिया है। 21 वीं सदी के श्रवण कुमार  
ने ऐसा इसलिए किया ताकि शख्स  
के पास चिन्ह भी कांवड़ पाया जाए











